मुम्बई में देस दिसावर का विमोचन

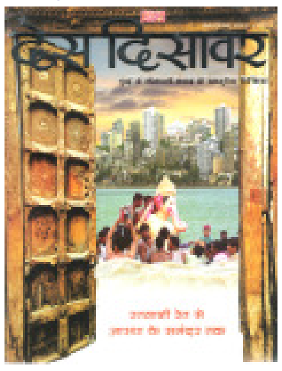

माई झु. न्यूज। सुरेश चन्द्र शर्मा द्वारा सम्पादित सांस्कृतिक निर्देशिका देश दिसावर का विमोचन शुक्रवार को मुम्बई के वेस्ट एण्ड होटल में श्रीमती राजश्री बिड़ला द्वारा किया गया।

मुम्बई की सामाजिक सांस्कृतिक संयोजक संस्था मरूधरा के संस्थापक रामस्वरूप गाडियाने एक जानकारी में बताया कि सुरेशचन्द्र शर्मा की नई पुस्तक नई उमर की नई फसल का सम्पादन कार्य जारी है।

श्री गाडिया द्वारा प्रेषित देश दिसावर पत्रिका को एक नजर देखने पर इसके सम्पादन इसमें प्रकाशित सामग्री देखने पर इसके सम्पादन इसमें प्रकाशित सामग्री के बारे में केवल इतना ही कहना काफी है की देश दिशावर में देश यानी शेखावाटी से दिसावर यानि परदेश तक की यात्रा, इससे जुड़े व्यक्तित्व तथा सांस्कृतिक विरासत का पूर्ण लेखा जोखा है जो अपने आप में इतना विस्तृत है कि जितना पढो उतना कम है। निश्चय ही इस प्रकार के प्रकाशन आज की आवश्यकता है।

डालमिया सेवा संस्थान का पुरस्कार वितरण समारोह

माई झुं. न्यूज। रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान द्वारा घोषित जल संरक्षण, संचयन एवं संवर्द्धन के लिए पुरस्कारों का वितरण समारोह रविवार को चिड़ावा में मुख्य अतिथि सांसद एवं केन्द्रीय खानमंत्री शीशराम ओला, विशिष्ट अतिथि केवीके आबूसर के डॉ. हनुमानप्रसाद एंव पूर्व राज्यसभा अध्यक्ष संजय डालमिया संस्थान के ट्रस्टी रघुवीर डालमिया आदि की उपस्थिति में सम्पन्न हुए।

ओला ने पानी संकट से उबरने हेतु इस प्रकार के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्थान की प्रशन्सा की। इस अवसर पर डाक्युमेन्ट्री की फिल्म संजीवनी सम्पदा भी दिखाई गयी।

बाल व्यास के श्री मुख से नानी बाई के मायरे का सफल आयोजन

माई झु.न्यूज। अग्रसेन जयन्ती महोत्सव 2007 के कार्यक्रमों के अन्तर्गत अग्रवाल समाज समिति झुंझुनूं में नानी बाई के मायरे का सफल आयोजन किया गया। व्यास पीठ पर विराजमान बालव्यास पंडित श्रीकान्त शर्मा बाल व्यास ने कहा कि रीति रिवाज की पालना अत्यावश्यक है। यही हमारे सामाजिक कानून हैं इनमें ही बंधकर हम समाज को संस्कारित कर सकते हैं और समाज को समृद्ध बना सकते हैं। नानी बाई की कथा का सुमधुर वाणी से गीत संगीत के माध्यम से शानदार प्रवचन किया जिस पर उपस्थित श्रोता भक्तगण विभोर हो उठे।

कथा का शुभारम्भ आयोजकों एवं प्रायजकों तथा गणमान्यजन द्वारा बालव्यास के माल्यार्पण से हुआ, उनका स्वागत किया गया।

कथा से पूर्व लावरेश्वर महादेव मंदिर से लगभग 500 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा का अभूतपूर्व आयोजन किया गया जिसमें कृष्ण राधा की सुन्दर झांकी शामिल की तथा सजी धजी गाड़ी में बालव्यास भी साथ चल रहे थे। कलश यात्रा लावरेश्वर मंदिर से, राणी सती रोड़ चूणा चौक, गांधी चौक होते हुए अग्रसेन भवन कथा स्थल पर पहुंची जहां सभी कलश धारण करने वाली महिलाओं को सम्मान स्वरूप एक एक हाथ घड़ी प्रदान की गयी। यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इसी क्रम में छावनी बाजार चार रास्ते पर बाल व्यास का स्वागत पुष्प वर्षा व माल्यार्पण के साथ माई झुंझुनूं डॉट कॉम के प्रबन्ध निदेशक डी एन तुलस्यान, प्रायोजक केशरदेव तुलस्यान, वस्त्र व्यापार संघ एवं नेहरू बाजार के अध्यक्ष नवरंगलाल जालान, गलता व्यापार संघ के अध्यक्ष नवरंग राणासरिया एवं मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सम्पत चुड़ेलेवाला सहित अन्यजन द्वारा किया गया।

कथा के दूसरे रोज बाल व्यास ने कथा के साथ साथ कई रोमांचक एवं ज्ञानवर्धक प्रसंग भी सुनाए गए। उन्होंनें कहा कि समाज किसी को क्षमा नहीं करवा, ईश्वर करूणा की मुरत है। क्षमा करना ईश्वर

का स्वभाव है। उन्होंने कहा कि हरि आसी, आसी हरी घणे भरोसे आसी यह विश्वास ही बैकुण्ठ की चाबी है, जगत पर विचार तथा ईश्वर पर विश्वास करना चाहिए जबकि आज इसके विपरित आम मनुष्य भगवान पर विचार तथा जगत पर विश्वास करता है। यही वह धोका खाता है। कथा में जब बाल व्यास द्वारा संचालित सुन्दर ढंग से व्यवस्थित भात भरने की प्रक्रिया समाज के अग्र बन्धुओं द्वारा सम्पन्न की गयी तो नानी बाई के भात का वह दृश्य देखने योग्य था। मानों उस दृश्य को देखने ही सभी व्याकुल थे पूरे पांडाल में समाज समिति द्वारा की गयी सभी व्यवस्थाएं उपस्थित जन की संख्या के समक्ष छोटी पड़ गयी। चारों और जैसे जिसे जगह मिली महिलाएं,बच्चे, बड़े बुजुर्ग कार्यकर्ता सभी ने कथा श्रवण का लाभ उठाया। कथा प्रारम्भ से पूर्व महाराजश्री का माल्यार्पण के साथ स्वागत समिति अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान, सचिव प्रदीप पाटोदिया, कोषाध्यक्ष शिव कुमार टीबड़ा, संयोजक प्रमोद खण्डेलिया, मनोहरलाल गाडिया, रामचन्द्र तुलस्यान, नरोत्तमलाल जालान, मातादीन टीबड़ा, संजय नांगलिया, निर्मल मोदी, विनोद सिंघानिया, अजय राणासरिया, पुरूषोत्तम केडिया, श्याम सुन्दर पोद्दार, मनोहर लाल राणासरिया, रामप्रकाश गोल्याण, चंडीप्रसाद टीबड़ा, चौथमल पाटोदिया, सत्यनारायण गाडिया, राजेश ढेढिया सहित अन्यजन ने किया।

इस अवसर पर माई झुंझुनूं डॉट कॉम की ओर से महाराजश्री को अभिनन्दन पत्र डी एन तुलस्यान, पी एल हलवाई एवं केशरदेव तुलस्यान द्वारा भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। सभी को महाराजश्री ने दुपट्टे उढाकर आशिर्वाद दिया। दोनों दिवस पर कथा समापन के पश्चात सभी आगन्तुकों भक्तगणों को क्रमश पेडा एवं पच हारी लड्डू प्रसाद का सप्रेम वितरण किया गया। सफल संयोजन के लिए संयोजक प्रमोद खण्डेलिया एवं समिति के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस प्रकार का सुन्दर सफल आयोजन सम्पन्न करवाया है।

डॉ. घासीराम वर्मा समिति द्वारा सम्मान समारोह सम्पन्न

माई झुं. न्यूज। डॉ. घासीराम वर्मा समाज सेवा समिति द्वारा मेरिट एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को एक भव्य सम्मान समारोह में हुआ। समारोह में शेखावाटी के सीकर, झुंझुनूं व चुरू जिले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। मेरिट में चयनित विक्रम भूकर को 51 हजार व घनश्याम कुमावत को 31 हजार का चैक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण संस्थान समूह के शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। डॉ. घासीराम वर्मा समाज सेवा समिति झुंझुनूं की ओर से सीकर, झुंझुनूं व चुरू जिले के प्रतिभागियों को 1100 रूपए नकद, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व पुस्तकों का सेट भेंटकर सम्मानित किया गया। राजेन्द्र कस्वां ने डॉ. घासीराम वर्मा समाज समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संसथान की छात्राओं द्वारा सुन्दर सांक्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां प्रदान की गयी। समारोह के अध्यक्ष डॉ. घासीराम वर्मा ने शिक्षार्थियों का आव्हान किया कि वे मेहनत से ही सफलता का वरण करें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथ डॉ. हरिशचन्द्र पांडे, रूकमणी देवी, के.के.पारीक, व सीकर तहसीलदार बनवारीलाल, वैदिक आश्रम पिपराली के अध्यक्ष स्वामी सुमेघानन्द सरस्वती ने भी विचार व्यक्त किए।

डाक विभाग बांट रहा है बाबा रामदेव की योग पुस्तक

माई झु. न्यूज। पंतजलि योग पीठ हरिद्वारा की बाबा रामेदव की पुस्तक विज्ञान की कसौटी पर योग भरतीय डाक विभाग द्वारा प्राप्त की जा सकती है तथा इसके लिए 300 रू. कीमत निर्धारित है इस पुस्तक को कोई भी व्यक्ति अपने डाकियों को आर्डर कर देवें तो उसे दुसरे रोज घर पर पुस्तक मिल जावेगी। डाकघर अधीक्षक्ष मोहनलाल ने बताया की झुंझुनूं में भी उक्त पुस्तकें ब्रिकी के लिए उपलब्ध है।

हर्बल ऑयल, घृत कुमारी एवं गौ पंचगव्य से निर्मित, पूर्ण रूपेण चर्बी रहित त्वचा की खुश्की दूर कर सुकोमल एवं कांतिमय बनाता है। भारतीय मूल की गायों के संरक्षण हेतु अवश्य प्रयोग करें।

-राजस्थान गौ कल्याण, कोलकाता, 25 वर्षों से लाखों गायों की सेवा में संलग्न

इको क्लब प्रभारियों की संगोष्ठी

माई झुं. न्यूज। राजस्थान स्काउट गाइड परिसर में बुधवार सुबह इको क्लब प्रभारियों की संगोष्ठी मुख्य अतिथि राधेश्याम आर मोरारका कालेज के उप प्राचार्य आर के शर्मा अध्यक्षता कर रहे रामचन्द्र तुलस्यान की उपस्थिति में सम्पन्न हुयी। सी ओ मान महेन्द्रसिंह भाटी ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

स्काउट रामजीलाल शर्मा ने स्काउट गाइड एवं स्काउटर-गाइडर की प्रगति, रिछपाल सिंह ने मासिक रिपोर्ट तैयार करने, सीओ स्काउट भाटी ने जम्बूरी, राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड के लिए पंजीकरण के बारे में बताया। प्राचार्य रामजीलाल शर्मा ने अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ईको क्लब प्रभारी एवं अन्यजन उपस्थित थे।

बालव्यास पंडित श्रीकान्तजी शर्मा से एक भेंट वार्ता

माई झुं.न्यूज। घास एवं चारे के लिए गायों को न मरने दें तथा भारतीय गोवंश को बचायें। यह विचार है बालव्यास पंडित श्रीकान्त शर्मा के जो कि दो दिवसीय नानी बाई के मायरे के आयोजन में कथा कहने कलकत्ता से अग्रसेन भवन झुंझुनूं पधारे थे।

माई झुंझुनूं डॉट कॉम के प्रबन्ध निदेशक डी एन तुलस्यान एवं मुख्य सलाहकार पी एल हलवाई से इस अवसर पर एक विशेष भेंट में बालव्यास ने बताया कि उन्होंने अब तक श्रीदेवी भागवत 24, शिवपुराण 21, रामकथा 60 सहित अब तक 913 श्रीमदभागवत कथाओं का देश के विभिन्न भागों में वाचन किया है तथा नानी बाई के मायरे से लेकर छोटे बड़े विभिन्न धार्मिक महत्व के गीत संगीत भजनों इत्यादि के लगभग दस हजार आयोजन सम्पन्न किये हैं। इन सभी से प्राप्त दान, चढावा इत्यादि आर्थिक लाभ का 80 प्रतिशत से अधिक अब तक 9 करोड़ के लगभग राशि व गौशालाओं के माध्यम से गौसरंक्षण के कार्य में व्यय कर चुके हैं।

दान के बाबत पंडित श्रीकान्तजी ने बताया कि पहले लोग व्यापार में से एक निश्चित धर्मादा के रूप में निकालते थे और अब धर्मादा भी व्यापार हो गया है। बालव्यास इस बात से आहत हैं कि लोग चढावा वहां ही देते हैं जहां नाम होता है, यश मिलता है उन्होंने कहा कि अब तो चन्दे के मायने ही बदल गये हैं।

बालव्यास द्वारा गुढा गौड़जी में गोपीनाथ गौशाला का सफल संचालन गौसेवा के रूप में एक उदाहरण बनता जा रहा है जहां गुढ़ा प्रवास के दौरान स्वयं पंडितजी गौमाता की अपने हाथों से सेवा करते हैं। आपके द्वारा उक्त गौशाला सहित यू पी, बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल एवं राजस्थान सहित पूरे भारत में कुल 60 गौशालाएं संचालित की जा रही हैं तथा अन्य लोगों या धार्मिक संगठनों द्वारा संचालित सभी गौशालाओं को आत्म निर्भर बनाने एवं उनको अनुदान देने में भी तत्पर रहते हैं आप जिस भी गौशाला में जाते हैं, आप 2100 रू. का सहयोग तो करते ही हैं तथा अन्य भक्तों से भी सहयोग करवाते हैं। इस वर्ष में आपने विभिन्न गौशालाओं को आठ लाख पैंसठ हजार रुपये का सहयोग किया है जिनमें गौशाला परसरामपुरा, कोटरी, मलसीसर, गीरावडी, गुढा एवं सर्वोदय विचार परिषद कोलकाता आदि प्रमुख हैं।

गाय की महत्ता बताते हुए बालव्यास ने कहा कि गाय को हमारी माता ऐसे ही नहीं कहा गया है अपितु वास्तव में गाय माता के समान पालन पोषण करती हैं। देखने में हम केवल गाय को दूध दही घी के रूप में ही जानते हैं बल्कि गाय के गोबर एवं गौमूत्र से आज विभिन्न नित्य उपयोगी उत्पाद एवं दवाएं बन रही हैं जो कि बहुत उपयोगी है। उन्होंने गुढा में रसायनशाला का निर्माण करवाया है जहां साबुन, शैम्पू, दर्द-निवारण तेल, धनवटी तथा पंचगव्य सहित अन्य उत्पादों का उत्पाद सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

उन्होंने पवित्रा नाम की हाथ धोने की साबुन जो कि चरबी रहित है के लिए कहा कि भोजन से पूर्व हर गौप्रेमी को इस प्रकार की चरबी रहित साबुन से हाथ धोकर भोजन करना चाहिए।

उन्होंने गौशालाओं में बने उत्पाद के उपयोग हेतु बताया कि इनका उपयोग न केवल सुरक्षित एवं उपयोगी है अपितु भारतीय मूल की गायों के सरंक्षण में भी आपका सहयोग है।

गौहत्या पर रोक के पक्षधर महाराज श्री ने बताया कि आज पैसे के लालच में गौहत्या हो रही है वह रूकनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व है कि वह इसके रोकने में तन मन धन से अपना सहयोग करें। राष्ट्रीय पक्षी मोर के कम होते जाने तथा भविष्य में मोर वध रोकने के प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा कि मोर पंख के अंधाधुन्ध उपयोग के लिए मोरो का वध किया जा रहा है जो भी भगवान कृष्ण के मुकुट बनते है उनमें जो चन्दा लगता है वह स्वत: प्राप्त पंख से नहीं बल्कि मोर वध से प्राप्त पंख से बन रहा है अत: इसका उपयोग ना करे। उन्होंने सभी श्याम भक्तों से भी कर बद्ध प्रार्थना की है कि वे बाबा श्याम के निशानों में मोर पंख का उपयोग ना करें ताकि मोरों का जीवन बचाया जा सके।

बालव्यास ने बताया कि बिहार यूपी बोर्डर पर बडौरा ग्राम में उनके द्वारा पिछले 13 वर्षों से स्कूल का सफल संचालन मात्र 2 रू. प्रतिमाह फीस पर किया जा रहा है 600 बच्चों की जिनका उद्घाटन विष्णुकान्त जी शास्त्री द्वारा किया गया था। बालव्यास 500 गरीब बच्चियों के सामुहिक विवाह का सफल आयोजन भी करवा चुके हैं।

निश्चय ही पंडित श्री कान्तजी शर्मा से मिलकर उनसे उक्त बातों को जानकर एक आत्मिक सुख की अनुभूति हुई। हमारे जिले के गुढा गौड़ जी में जन्मे व्यक्तित्व के विचार कितने उंचे हैं कितना उनका धार्मिक कार्यक्रमों में सहयोग है तथा आज भी हमारी शेखावाटी की प्राचीन संस्कृति को बचाने के प्रयासों में उनका कितना बड़ा योगदान है।

धन्य है झुंझुनूं की माटी जिसने इस प्रकार के अनमोल रत्न दिये है। हमारा शत शत नमन अभिनन्दन.............

रोगियों को फल वितरण

माई झुं.न्यूज। स्थानीय अस्पताल में बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा व लायनेस क्लब सिल्वर की ओर से रोगियों को फल बांटे गए। भाजपा महिला मोर्चा ने विजयाराजे सिंधियां का जन्म सप्ताह मनाते हुए जनाना अस्पताल में रोगियों को फल बांटे। इस मौके पर हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा की जिलाध्यक्ष विमला चौधरी, मुख्य अतिथि, भाजपा नेता संतोष अहलावत थी जबकि कोयल छोटल माथुर व सुधा पंवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। मुख्य अतिथि संतोष अहलावत ने महिला संगठन को हर गांव तक पहुंचाने की अपील की। माथुर ने स्वास्थ्य सर्वे में महिलाओं से पूछे गए स्तर विहीन सवालों की निंदा की। इस क्रम में लायनेस क्लब सिल्वर झुंझुनूं की ओर से भी जनाना अस्पताल में नवरात्रा के उपलक्ष में महिला मरीजों को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर लायनेस क्लब की अध्यक्षा मधुलिका सक्सेना, सचिव सुमन चौधरी, डॉ. संतोष ढाका सहित सदस्याएं उपस्थित थीं।

सौन्थलिया ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगा जमवाय माता मंदिर में

माई झुं. न्यूज। महाराजा अग्रसेन शिक्षा एवं जन कल्याण ट्रस्ट झुंझुनूं द्वारा जोधराज सौन्थलिया धमार्थ कोषा मुम्बई के सौजन्य से श्री महावीर इन्टरनेशनल व सेवा भारती के तत्वाधान में आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर दिनांक 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 07 तक लगाया गया। शिविर में जयपुर के सुप्रसिद्ध डॉ. एस के नैयर, डॉ. एम एम बंसल, डॉ. बेला मोहन तिवाड़ी ने जयपुर से आकर 365 मरीजों की आंखों को चैक किया तथा 117 मरीजों की भरती किया उनमें 105 मरीजों की आंखों के आपरेशन किये। शिविर में रोगियों की खाने की, निवास की दवाई की तथा आपरेशन आदि की सभी व्यवस्थाएं निशुल्क थी। जमवाय माता मंदिर के सामने लगाये गये इस चौथे शिविर में सेवा देने वालो में रेणू केडिया,प्रहलाद सरपंच, जगमाल सिंह सरपंच के साथ जोधराज सौन्थलिया धमार्थ कोष के ट्रस्टी श्याम सुन्दर सौन्थलिया ने सपरिवार शिविर में आकर रोगियों की सेवा में भाग लिया। शिविर में झुंझुनूं से भी ताराचन्द गुप्ता, श्याम सुन्दर पोद्दार व महावीर इन्टरनेशनल व सेवा भारती के सुभाष साहरण सहित कई सदसयों ने अपनी सेवाएं दी। संयोजक गीलुराम मोदी ने किया। रोगियों को बस किराया भी दिया गया।